पेज 03

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 31 अंक 15 कुल पृष्ठ 08 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 06 फरवरी 2023, वीर नि. संवत् 2549

Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

श्री सम्मेदशिखर जी में 28 जनवरी, 2023 को 557 दिन की महासाधना के निष्ठापन का महापारणा तीर्थराज की स्वर्णभद्र कूट पर करते हुये अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज।

विरागोदय महोत्सव में हुआ जैन गजट का विमोचन पेज 03

तीर्थराज सम्मेदशिखर हुआ प्रसन्नमय: प्रसन्न सागर से गुंजायमान हुआ पारसनाथ

अंतर्मना की महक से महका मधुबन: 2600 वर्षो बाद ऐसी कठोर तपस्या करने वाले देश के प्रथम संत हैं अंतर्मना प्रसन्न सागर

चन्द्र प्रकाश जैन, कार्याध्यक्ष महोत्सव समिति/राज कुमार अजमेरा/पीयूष कासलीवाल, संवाददाता/शेखरचन्द्र पाटनी, राष्ट्रीय संवाददाता

श्री सम्मेदशिखर जी, 28 जनवरी। भगवान महावीर के पश्चात् मौन पूर्वक उत्कृष्ट सिंह निष्क्रिड़ित व्रत की मौन पूर्वक साधना कर रहे अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज की 557 दिन की महासाधना के निष्ठापन का महापारणा तीर्थराज की स्वर्णभद्र कूट पर सम्पन्न हुआ। पूज्य गुरुदेव के महापारणा को देखने अनेक संतों के साथ भक्तों की भारी भीड़ भी पर्वतराज पहुंची। महापारणा के पश्चात् पूज्य गुरुदेव तीर्थराज की स्वर्णभद्र कूट से हजारों भक्तों की गरिमामय उपस्थिति में पर्वत के 11 किलोमीटर का सफर तय करके मधुबन पहुँचे, सम्पूर्ण राह में भक्त गुरुदेव की जय जयकार कर रहे थे। गुरुदेव पिछले 10 माह से पहाड़ी पर एकांतवास में महा तपस्या कर रहे थे। गुरुदेव के मधुबन पहुँचने पर तीर्थराज पर विराजित 150 से अधिक संतों एवं लाखों गुरु भक्तों ने पूज्य गुरुदेव की भव्य अगवानी की। पर्वतराज के गेट से गुरुदेव की भव्य, विशाल, ऐतिहासिक, अद्भुत शोभायात्रा प्रारम्भ हुई जिसका जगह जगह भक्तों द्वारा स्वागत किया गया एवं मार्ग में जगह-जगह गुरुदेव की आरती की गयी। शोभायात्रा में हेलीकाप्टर से पुष्पवर्षा भी की गयी। गुणायतन के गेट पर पहुँचने पर वहां विराजित प्रमाण सागर महाराज जी ससंघ ने गुरुदेव का भव्य स्वागत किया, उसके बाद शोभायात्रा अंतर्मना सभागार पहुंच कर धर्मसभा में तब्दील हो गयी। सर्वप्रथम झंडारोहण का कार्यक्रम हुआ तत्पश्चात दीप प्रज्वलन एवं चित्र अनावरण से कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गयी। सर्वप्रथम भारत सरकार के केबिनेट मंत्री

शेष पृष्ठ 05........... पर

Vayudoot Group
लाः नेमचन्द जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ

Vayudoot WORLD TRAVELS INDIA PVT. LTD
Vayudoot DESTINATION WEDDINGS & EVENTS
Vayudoot GROCERIES
Vayudoot CATERERS

वायुदूत की सुप्रसिद्ध शुद्ध स्वादिष्ट किचन वाली जैन भोजन सुविधा

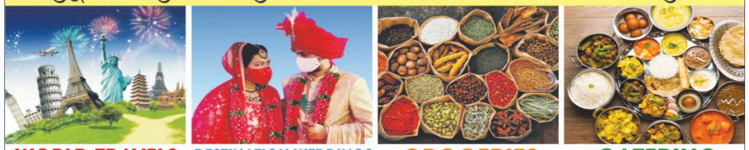

WORLD TRAVELS DESTINATION WEDDINGS GROCERIES CATERING
+91 9313338256, 9810408256, 9818312056

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

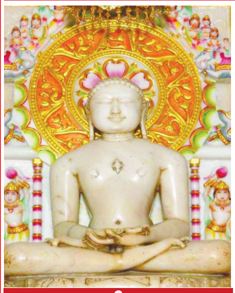

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्र:

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

JK MASALE SINCE 1957

Buy online on jkcart.com

– Breakfast Matlab –

JK POHA

Shudh Khao Swasth Raho...

देश भर में जैन गज़ट संवाददाता बनने हेतु संपर्क करें- 7505102419
जैन गज़ट शिकायत 7505102419
जैन गज़ट

अयोध्यापुरी में हुआ मुनि सुधासागर महाराज ससंघ का भव्य पिच्छिका परिवर्तन

मुनि श्री ने संयम व्रती श्रावकों को दी पुरानी पिच्छिका

सुनील संचय/अक्षय अलया

ललितपुर। निर्यापक श्रमण मुनि सुधा सागर महाराज का ससंघ पिच्छिका परिवर्तन शाही पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए बनी अयोध्यापुरी के विशाल मण्डप में हुआ, जिसमें संयमी श्रावकों ने हजारों श्रावकों की मौजूदगी में मुनि संघ जैन मुनि के संयम के उपकरण मयूर पंख से बनी नवीन पिच्छिका प्रदान करने एवं पुरानी पिच्छिका ग्रहण करने का पुण्यार्जन किया। मुनि सुधासागर महाराज के पाद प्रक्षालन का पुण्यार्जन यज्ञनायक संदीप सर्राफ एवं मुनि पूज्यसागर महाराज के पाद प्रक्षालन का पुण्यार्जन दर्शोनदय तीर्थ थूबोनजी उपाध्यक्ष आनंद कुमार धर्मेन्द्र रोकड़िया चंदेरी ने किया। मुनि सुधासागर महाराज एवं उनके संघस्थ मुनि नगर गौरव पूज्यसागर महाराज, ऐलक धैर्यसागर महाराज, क्षुल्लक गम्भीर सागर महाराज के पिच्छिका परिवर्तन को बेहतर रोचक एवं धर्मप्रिय कार्यक्रमों को करने की संयोजना शैलेन्द्र जैन एवं विजय जैन धुर्रा अशोक नगर ने की। क्षुल्लक श्री की पिच्छिका को सम्मेद शिखर जी की झांकी में विमोचन हेतु लाए और उपस्थित जनसमुदाय को संदेश दिया कि पर्वतराज पर खानपान नहीं करेंगे और मोटरसाइकिल से नहीं, पैदल जाएंगे। पिच्छिका के लोकार्पण विमोचन के उपरान्त क्षुल्लक श्री की पुरानी पिच्छिका अशोक जैन जाखलौन को मिली। ऐलक श्री की पिच्छिका गुरु चरणों में आयी, विमोचन लोकार्पण के उपरान्त राजेश जैन सीमा जैन लागौन परिवार को मिली। कार्यक्रम के दौरान बेटी बचाओ एवं सुसंस्कारों का शंखनाद लेकर लव जिहाद की प्रस्तुति की गई। मुनि पूज्यसागर महाराज की पिच्छिका अभिनंदोदय तीर्थ पर निर्मित सहस्त्रकूट के प्रतीक के साथ लेकर वीर व्यायामशाला एवं आचार्य विद्यासागर व्यायामशाला के स्वयंसेवक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए आए ब्रह्मचारिणी बहनों द्वारा विमोचन के उपरान्त पुरानी पिच्छिका ग्रहस्थ जीवन के भाई विजय जैन बंटी अंजना जैन नारियल परिवार को मिली। मुनि पुंगव सुधासागर महाराज की पिच्छिका ललितपुर की अगुवाई में जेसीवी के प्रदर्शन के साथ लेकर पहुंचे, जिनके हाथों में भव्य अगुवाई के लिए ललितपुर जैन समाज को वर्ल्ड रिकार्ड का दर्जा मिला, लिए हुए थे। मुनि श्री की पिच्छिका का विमोचन महेन्द्र मड़वैया, जिनेन्द्र सिंघई, आनंद जैन साइकल, देवेन्द्र जैन परिवार द्वारा किया गया जबकि पुरानी पिच्छिका जैन पंचायत के महामंत्री डा. अक्षय टडैया-मृदुला टड़ैया ने ग्रहण कर मुनि श्री से आशीर्वाद ग्रहण किया।

हर घर घर चरखा छाएगा, इंडिया भारत कहलाएगा - मुनि श्री निरंजन सागर

राजेश रागी/रत्नेश जैन बकस्वाहा

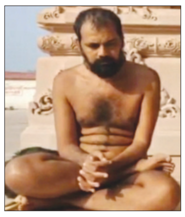

कुण्डलपुर। सुप्रसिद्ध जैन सिद्धक्षेत्र कुण्डलपुर में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य मुनि श्री निरंजन सागर जी महाराज ने महात्मा गांधीजी की पुण्य तिथि पर प्रवचन देते हुए कहा कि भारत आज तक अपने अस्तित्व को नहीं पा पाया है, किसी भी देश की पहचान का प्रमुख अंग उसका नाम है, उसकी स्वयं की भाषा है, उसकी स्वयं की आहार शैली, उसकी अपनी वेशभूषा है, उसकी अपनी शिक्षा पद्धति है, उसकी अपनी औषध विद्या है, परंतु आज हम सभी आवश्यकताओं पर विदेशों पर निर्भर होते जा रहे हैं। आज का नवयुवक विदेशी जीवन शैली को अपनाने की होड़ में दौड़ रहा है। यह अंतहीन दौड़ हमें हमारे संस्कारों से, हमारे देश से, हमारे धर्म से, कोसों दूर करती जा रही है। आज का नवयुवक जो देश का भविष्य कहलाता है, स्वयं अपने भविष्य के बारे में चिंतन से रहित होकर मात्र वर्तमान की चकाचौंध भरी ऐसी जीवनशैली जी रहा है, जिसका कोई ओर-छोर नहीं है। उद्देश्य से भटका हुआ नवयुवक वर्ग ही भारत की वर्तमान की सबसे बड़ी समस्या है। जिससे मात्र गांधी जी के विचारों को अपनाकर ही हम इस विकट समस्या से मुक्ति पा सकते हैं। गांधीजी जैसा व्यक्तित्व कभी मरण को प्राप्त नहीं हो सकता है। गांधी जी आज भी भारत की आत्मा में बसे हुए हैं। वर्तमान में राष्ट्रहित चिंतक आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महामुनिराज ने इंडिया नहीं भारत बोलो, स्वदेशी रोजगार, भारतीय भाषा, भारतीय वस्त्र शैली, भारतीय औषध विज्ञान, भारतीय शिक्षा पद्धति, भारतीय कृषि का पुनरुत्थान आदि विषयों को अपने उपदेश का विषय बनाया और उनके प्रभावक राष्ट्र चिंतन से प्रभावित होकर एक बड़ा नवयुवक वर्ग उनके उपदेश को पूर्ण करने तत्पर हुआ। जिसका परिणाम है पूर्णायु औषधालय, प्रतिभास्थली विद्यापीठ, भाग्योदय चिकित्सालय, दयोदय गौशाला, श्रमदान हथकरघा केंद्र, शांति धारा दुग्ध योजना आदि प्रकल्प आज भारतीयता को जीवंत कर हमें पूर्ण स्वदेशीयता के साथ-साथ सत्य और अहिंसा को पुनर्स्थापना करने में लगे हुए हैं। आज ऐसा लगता है वह दिन दूर नहीं जब गांधी जी का भारत अपनी खोई हुई पहचान पुनः पा जाएगा।

113 वर्षों से निरंतर सर्वसमाज की सेवा

देश का पहला ऐसा अस्पताल जहां सर्वसमाज के लिए दिगम्बर जैन समाज सुजानगढ़ के सदस्य खुद के खर्चे पर चला रहे, खासियत किसी से चंदा नहीं लेते और दवाईयां तक भी फ्री दे रहे।

महावीर प्रसाद पाटनी, सुजानगढ़, संवाददाता

113 साल से निरंतर जारी दिगंबर जैन आयुर्वेदिक औषधालय में रोज 250 से 300 रोगी इलाज ले रहे हैं, देशभर के जैन साधु-संतों की दवा भी यहीं से जा रही है। सुजानगढ़! ये है सुजानगढ़ का दिगंबर जैन आयुर्वेदिक औषधालय अस्पताल। अस्पताल के संचालन से जुड़ी कहानी काफी प्रेरणास्पद और दिलचस्प है। 113 साल से एक समाज विशेष के 200 व्यक्ति इसे सर्वसमाज के लिए अस्पताल निःशुल्क चला रहे हैं। कई विशेष खासियतों से जुड़ा संभवत देश का ऐसा ये पहला अस्पताल है, जहां परामर्श से लेकर दवाईयों तक की कोई फीस नहीं ली जाती। किसी से चंदा-सहयोग तक नहीं लिया जाता। अस्पताल में हर महीने एक-डेढ़ लाख रुपए खर्च होते हैं। अस्पताल में ही आयुर्वेदिक दवाईयां तैयार होती हैं। हर महीने करीब 80 हजार रुपए की दवाईयां रोगियों को इलाज के लिए दी जाती हैं। कैंसर-एड्स जैसी जटिल बीमारियों तक के रोगियों को परामर्श देकर स्वस्थ करने के यहां के रिकॉर्ड भी हैं। 30 साल से सेवा दे रहे वैद्य सुभाषचंद्र दीक्षित का दावा है कि अब तक करीब 20 कैंसर रोगी ठीक हो चुके हैं, वहीं हजारों रोगियों के लाइलाज-असाध्य रोगों को ठीक किया है। मुख्य बाजार स्थित दिगंबर जैन मंदिर के पीछे संचालित औषधालय में सुबह 8.30 से 12 व शाम 3.30 से पांच बजे तक दो शिफ्ट में चलता है। समाज के महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि पुरानी बिल्डिंग को तोड़कर वर्ष 2017 में समाज के भामाशाहों के सहयोग से चार मंजिला सुविधायुक्त तैयार करवाया गया। अत्याधुनिक मशीनों का फिजियोथैरेपी सेंटर भी निशुल्क चलता है, जहां डॉ. कुलदीप वर्मा रोगियों का इलाज करते हैं।

- CHC-PHC से भी ज्यादा ओपीडी, फिजियोथैरेपी सेंटर भी। दिगंबर जैन समाज के मंत्री पारसमल बगड़ा व पूर्व अध्यक्ष विमल पाटनी ने बताया कि पीएचसी-सीएचसी से भी ज्यादा रोगी प्रतिदिन यहां पहुंचते हैं। रोज 250 से 300 रोगी यहां इलाज के लिए आते हैं। सुजानगढ़ ही नहीं बल्कि देश-दुनिया तक के रोगियों के नाम यहां रिकॉर्ड में दर्ज हैं, जो यहां दवा लेते हैं। खांसी-जुकाम से लेकर शुगर, हार्ट, सांस, टीबी, कैंसर, लीवर गठिया सहित अनेक जटिल रोगों का इलाज का परामर्श देकर दवाईयां दी जाती हैं।

औषधालय की दो बड़ी बातें जो सीख और दिलाती हैं विश्वास

1. औषधालय के व्यवस्थापक महावीर छाबड़ा ने बताया कि अस्पताल को सिर्फ सुजानगढ़ के दिगंबर जैन समाज के निवासी व प्रवासी ही अपने खर्चे पर चलाते हैं। अन्य समाज-संस्था सहित सुजानगढ़ के अलावा अगर दूसरे शहर के व्यक्ति सहयोग देना चाहे तो नहीं लिया जाता। 2. जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़वाला ने बताया कि देशभर के जैन साधु-संतों की दवा भी यहीं पूर्ण शुद्धता के साथ यहां से बनाकर भेजी जाती हैं। उपचार की जरूरत होने पर यहां के वैद्य को भेजकर उपचार करवाया जाता है।

रोगियों की जुबानी: कैंसर-एड्स रोगी, जो यहां हुए सही -

केस-1. कैंसर से आवाज चली गई, यहां इलाज लेने पर ठीक - डीमापुर नागालैंड के रूप कुमार (बदला नाम) ने बताया कि कैंसर के कारण उनकी आवाज चली गई थी। देश के अनेक बड़े अस्पतालों में इलाज करवाया, लेकिन निराशा मिली। यहां 18 महीने इलाज के बाद ठीक हो गया।

केस-2 - ब्लड कैंसर सही हुआ - सुजानगढ़ की सरिता देवी (बदला नाम) ने बताया कि उन्हें ब्लड कैंसर था। बड़े अस्पतालों ने जवाब दे दिया। यहां समय लगा, लेकिन ठीक हो गया। सीकर की रूपा देवी (बदला नाम) ने बताया कि ब्लड कैंसर होने पर कई जगह दिखाने के बाद अब यहीं से इलाज ले रही हैं। मध्य प्रदेश जबलपुर के सूरज (बदला नाम) बताते हैं कि यहां लीवर कैंसर का इलाज ले रहे हैं। काफी सुधार है।

केस-3: एड्स भी सही हो गया - सिक्कम के रहने वाले रवि कुमार (बदला हुआ नाम) एचआईवी पॉजिटिव था। यहां दो साल इलाज चलने के बाद नेगेटिव हो गया। अब स्वस्थ है।

अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ की त्रिदिवसीय कार्यशाला संपन्न

अखिल भारतीय जैन पत्र संपादक संघ के द्वारा दिनांक 21 से 23 जनवरी 2023 तक इंदौर एवं उज्जैन में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र आदि विभिन्न राज्यों के पत्र संपादक एवं पत्र लेखक, संवाददाताओं ने सहभागिता की। परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज का सभी को शुभाशीर्वाद प्राप्त हुआ। परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी की पुस्तक भारत का भविष्य सभी संपादकों को भेंट की गई। अपने आशीर्वचन में परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने कहा कि पत्रकार की कलम बहुत ताकतवर होती है, वह समाज में आमूलचूल परिवर्तन ला सकती है। किसी लेख का प्रकाशित करना ही पत्रकारिता नहीं है अपितु पत्रकारों के द्वारा ऐसा लिखा जाए जिससे लोगों की जन्म कुंडली ही बदल जाए तो वे सही कार्य करें, अपने आपको सही करने के लिए विवश हो जाएं, पुरानी चीजों को नए तरीके से प्रस्तुत करना पत्रकारिता का कार्य है। यदि पुरानी सोच नहीं बदली तो समाज की स्थिति क्या होगी।

गणतंत्र दिवस पर पूर्ण इलाज के बाद स्वस्थ 20 पक्षियों को खुले आसमान में छोड़ा

आर. के. जैन

यमुनानगर, 27 जनवरी। श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर, जैन मिलन तथा सकल जैन समाज के तत्वाधान में जैन चैरिटेबल रूप के सहयोग से गणतंत्र दिवस के अवसर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन यमुना श्मशान घाट में स्थित जैन जीव दया केन्द्र के प्रांगण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर संरक्षक गिरीराज जैन ने की तथा संचालन मंदिर के उपप्रधान मुकेश जैन व महामंत्री पुनीत गोल्डी जैन ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर में णमोकार महामंत्र के गुन्जन से किया गया। उसके उपरांत सभी हाथों में तिरंगा लेकर तिरंगा यात्रा निकालते हुये जैन जीव दया केन्द्र में पहुंचे और यहां पहुँच कर ध्वजारोहण कर राष्ट्र गान गाया गया। गणतंत्र दिवस के अवसर पर जैन समाज ने 20 घायल एवं बीमार पक्षियों की पूर्ण चिकित्सा के पश्चात् स्वस्थ पक्षियों को पुनः आकाश में स्वतंत्र उड़ान भरने के लिये छोड़ा गया।

गोद भराई की रस्म

संजय कुमार जैन, संवाददाता

अजमेर, 30 जनवरी 2023। श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सोनीनगर मन्दिर समिति, अजमेर व सोनीनगर महिला मंडल के तत्वावधान में सोनीनगर जैन मन्दिर में आचार्य विराग सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में पथरिया म.प्र. में 5 फरवरी से चल रहे पंचकल्याणक महोत्सव में भगवान महावीर के माता पिता बनने का सौभाग्य अशोक कुमार कोकिला अजमेरा को प्राप्त हुआ है। प्रातः 8.00 बजे सोनीनगर मन्दिरजी की ओर से माता पिता बनने के अवसर पर अशोक-कोकिला अजमेरा की गोद भराई की रस्म अदा की गई।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATEL
SWATI VINIMAY & CONSULTAN PVT. LTD
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A.T. Road, Guwahati-781001
M. : 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला | श्रीमती सरिता काला | संदीप-स्वाति पाटनी | श्रेयांस काला

RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H.S.Road, Chhatribari, Guwahati-781008
E-mail : casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

विरागोदय महोत्सव में हुआ जैन गजट का विमोचन

आचार्य श्री विराग सागर का जैन गजट को मिला आशीर्वाद

जैन पत्रकार सम्मेलन सम्पन्न

पुनीत जैन
उपाध्यक्ष महासभा

पथरिया, दमोह। परम पूज्य गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के विशाल ससंघ सान्निध्य में चल रहे विरागोदय तीर्थ महोत्सव, युग प्रतिक्रमण एवं यति सम्मेलन में 3 फरवरी 2023 को राष्ट्रीय जैन पत्रकार सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें विरागोदय महोत्सव के जैन पत्र-पत्रिकाओं के 25 विशेषांकों का विमोचन 25 संपादकों द्वारा किया गया। इस अवसर पर साप्ताहिक जैन गजट के अंक का विमोचन जैन गजट के मानद सह संपादक द्वय डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर व राजेन्द्र महावीर सनावद द्वारा कराया गया। विमोचन के बाद पत्र की एक प्रति गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज को सह संपादक द्वय ने भेंट की, आचार्यश्री ने जैन गजट को मंगल आशीर्वाद दिया। इसके साथ ही मंच पर विराजमान आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी महाराज, आचार्य विभव सागर जी महाराज, आचार्य विमर्श सागर जी महाराज, आचार्य श्री विनिश्चय सागर जी महाराज, आचार्य श्री विहर्ष सागर जी महाराज, आचार्य श्री विन्रम सागर जी महाराज, मुनि श्री विरंजन सागर जी, मुनि श्री विहसन्त सागर जी, मुनि श्री विश्रांत सागर जी महाराज, मुनि श्री आदित्य सागर जी महाराज आदि को अंक की प्रति भेंट की गई। इस मौके पर आयोजन समिति द्वारा सभी पत्रकारों का सम्मान किया गया। पत्रकारों ने जैन पत्र और पत्रकारिता पर अपने विचार रखे। संचालन डॉ. आशीष शास्त्री बम्होरी ने किया। इस मौके पर पंजाब केसरी के चेयरमैन स्वदेश भूषण जैन दिल्ली, प्रेस ट्रस्ट ऑफइंडिया के सदस्य प्रदीप जैन रायपुर, अनूप चंद्र एडवोकेट फिरोजाबाद, पारस चैनल के चेयरमैन प्रकाश मोदी, आचरण के संपादक एवं पूर्व विधायक सुनील जैन सागर, डॉ. सुरेन्द्र भारती बुरहानपुर, राजेश रागी बक्सवाहा, उदयभान जैन जयपुर, डॉ. सुनील संचय ललितपुर, राजेंद्र महावीर सनावद, प्रवीण जैन झांसी, डॉ. अखिल बंसल जयपुर, दिलीप जैन जयपुर, रत्नेश रागी बकस्वाहा, मनीष विद्यार्थी शाहगढ़, डॉ. आशीष आचार्य सागर, वर्धमान सौंरया टीकमगढ़, सुनील सुधाकर, राकेश जैन, डॉ. अल्पना जैन ग्वालियर, डॉ. यतीश जैन जबलपुर, सुरेखा जैन इंदौर, राजेन्द्र अटल, रोहित जैन, सुधीर विद्यार्थी, सौरभ विद्यार्थी, अखिल जैन, सुशीला सलगिया इंदौर, ममता गांधी, प्रकाश अदावन शाहगढ़, पंकज जैन छतरपुर सहित सागर, छतरपुर, दमोह, बकस्वाहा, शाहगढ़, घुवारा आदि स्थानों से जैन पत्रकार बड़ी संख्या में मौजूद रहे। महोत्सव में जैन गजट का स्टाल भी लगाया गया, जिससे आयोजन में आने वाले लोगों को जैन गजट के बारे में जानकारी दी गयी।

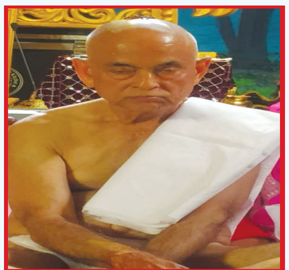

श्री सम्मेदशिखर जी में गत 1 फरवरी 2023 को सुप्रसिद्ध विद्वान, सरल स्वभावी डॉ. सुशील जैन, मैनपुरी ने आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज से क्षुल्लक दीक्षा ग्रहण की और अब वह क्षुल्लक श्री सहज सागर जी महाराज बन गये हैं।
शत् शत् नमन्।

आचार्य अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज को पूज्य मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज द्वारा 'लोकोत्तर महातपस्वी' की मानद उपाधि

अनंतानंत परम सिद्धेभ्यो नमः।।
सम्मेदशिखर सिद्धक्षेत्रेभ्यो नमः।।
अभिवंदन पाति

साधना महोदधि अन्तर्मना परम पूज्य आचार्यश्री प्रसन्न सागर जी महाराज को श्रद्धा विनय एवं वात्सल्य पूर्वक स्नेहाभिवंदन।

तपस्वियों के मूलनायक प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती श्री शांति कुंज, तपस्वियों के मसीहा, तपोनुष्ठान के शिखर व्रतों के हिमालय, प्रथम तपस्वी, निर्दोष साधक, अपार तेज पुंज के स्वामी परम पूज्य अन्तर्मना का व्यक्तित्व-कृतित्व अनुपम है। जिनके जीवन में आ चार्य शांतिसागर जैसी दृढ़ संकल्प शक्ति, चतुर्थ पट्टाधीश गुरूदेव आचार्यश्री अजित सागर जी महाराज जैसी चिन्तन शक्ति, पंचम पट्टाधीश आचार्यश्री वर्धमान सागर जैसी ज्ञान शक्ति, आचार्यश्री विद्यासागर जैसी आकर्षण शक्ति एवं आचार्यश्री पुष्पदंत सागर जैसी ओजस्वी वाणी से युक्त 18 माह की साधना काल में जिनागम के 108 ग्रन्थों के अध्येता, अंतर्मना संप्रति युग में चतुर्थकालीन साधना को पंचम काल में करने वाले सर्वोत्कृष्ट सिंहनिष्क्रीडित तप की 557 दिन (496 उपवास .61 पारणा) की निर्जल उपवास मौन साधनापूर्वक सम्मेदशिखर सिद्धक्षेत्र स्वर्णभद्र टोंक पर पूर्ण की उस साधना की सन्निकटता का सौभाग्य मुझे मिला। अन्तर्मना के इस महापारणा महोत्सव की पावन बेला में आपको ''लोकोत्तर महातपस्वी'' की मानद उपाधि से अलंकृत कर अत्यंत गौरवान्वित होते हुए मंगल भावना करते हैं। आप स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों आपकी तपश्चर्या का पुण्य यशोगान विश्व में युगों-युगों तक गुंजायमान हो। मैं, मेरे, संघस्थ मुनि-आर्यिका, बाल ब्र. वीणा दीदी आदि को सेवा वैयावृत्य का पुनः अवसर मिले ऐसी मंगल भावना के साथ वर्धतां जिन शासनम। महापारणा महोत्सव 28 जनवरी, 2023 सम्मेदशिखर सिद्धक्षेत्र।

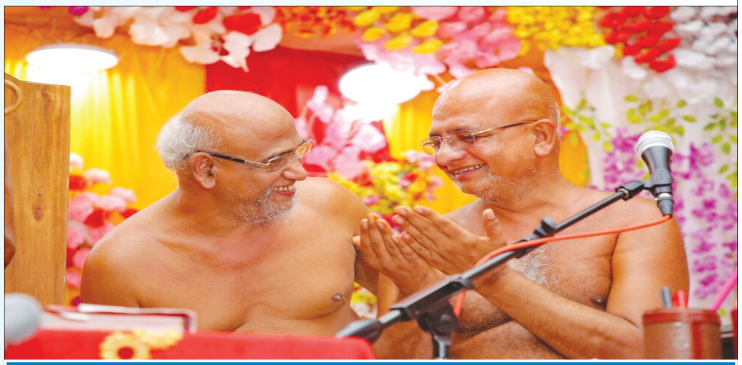

पूज्य मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज और अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

विनीत - मुनि पुण्य सागर, संघस्थ पंचम पट्टाधीश आचार्यश्री वर्धमान सागर जी महाराज

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी
EVER GREEN
be positive get positive
Evergreen Hosiery Industries
Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Hello Bebe
LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490
MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434
EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरू जी जय जिनेन्द्र, पिछले 5 साल से मेरा जर्मनी में भी कार्य चल रहा है। क्या भारत छोड़कर जर्मनी में बस जाना चाहिये - चुनीलाल, अमरोहा

उत्तर - चुनीलाल जी, अगर आप जर्मनी में शिट होना चाहते हैं, तो अवश्य हो सकते हैं। बस आप श्री भक्तामर स्तोत्र का 27 काव्य रोजाना 11 बार पढ़ो।

प्रश्न 2. गुरूजी जय जिनेन्द्र, मेरा एक मित्र अमेरिका में रहता है। क्या वह कभी दिल्ली वापस आयेगा - मधुकर जैन, दिल्ली

उत्तर - मधुकर जी, आपने जो अपने दोस्त की जन्म पत्री भेजी है, उसके अनुसार 1 वर्ष के पश्चात् वह वापस भारत आयेगा और यहीं पर व्यापार करेगा।

प्रश्न 3. गुरूजी मेरा नाम विजय है और मैं अपने पैतृक गांव में खेती करना चाहता हूँ। क्या मुझे इसमें सफलता मिलेगी - विजय जैन, इन्दौर (म.प्र.)

उत्तर - विजय जी, निश्चित रूप से अगर आप अपने पैतृक गांव में खेती कर अपना जीवन यापन करना चाहते हैं तो कर सकते हैं। आप श्री मुनिसुव्रतनाथ जी का चालीसा रोजाना पढ़ें।

प्रश्न 4. मुझे व्यापार में लगातार घाटा हो रहा है, मैं क्या करूं? - ओमवीर सुनगर (यू.पी.)

उत्तर - ओमवीर जी, आप माणिक्य का 5- 1/4 रत्ती का लॉकेट रविवार को गले में धारण करें। श्री भक्तामर स्तोत्र का 28वां काव्य रोजाना 10 बार पढ़ें तथा श्री पद्मप्रभु जी का चालीसा सूर्य उदय के समय पढ़ें।

प्रश्न 5. मेरी चाची सास की तबियत पिछले 5 साल से खराब चल रही है, रोजाना लगता है कि आज अन्तिम दिन है, ऐसा कब तक चलेगा - बुलबुल देवी, सहारनपुर

उत्तर - बुलबुल जी, कुण्डली के अनुसार अभी उन्हें अपने कर्म करने हैं। आप उन्हें श्री भक्तामर स्तोत्र का 45वां काव्य रोजाना 45 बार सुनायें, लाभ होगा।

प्रश्न 6. गुरूजी, मेरा व्यापार घाटे में चल रहा है, अगर मैं अपने साले से मदद मांगू तो क्या वह मेरी मदद करेगा - हरीशंकर जैन, कोटा

उत्तर - हरिशंकर जी, आप दो महीने तक श्री भक्तामर स्तोत्र का 36वां काव्य 9 बार व श्री मुनिसुव्रतनाथ जी का चालीसा पढ़ें एक बार, उसके बाद उससे चर्चा करें।

प्रश्न 7. मुझे अपने मकान में ऐसा लगता है कि वास्तु दोष है। इस कारण मेरा मन बेचैन रहता है। मुझे क्या करना चाहिये - कुन्दन लाल, लखनऊ

उत्तर - कुन्दन लाल जी, आपके मकान में वास्तु दोष नहीं है। आपकी कुंडली में चन्द्रमा कमजोर है, जिस कारण आपका मन बेचैन रहता है। आप श्री चन्द्रप्रभु चालीसा रोजाना शाम को पढ़ें, लाभ होगा।

प्रश्न 8. क्या मुझे अपने मित्र की सलाह माननी चाहिये - अनुपम जैन, झांसी

उत्तर - अनुपम जी आपकी कुंडली के अनुसार आपका मित्र आपका हितैषी है इसलिये आप अपने मित्र की सलाह को मान सकते हैं तथा आपको रोजाना श्री विमलनाथ जी का चालीसा पढ़ना चाहिये।

आप अपनी समस्या इस पते पर भेजें: रवि जैन गुरूजी, विख्यात् जैन ज्योतिषाचार्य, हस्तरेखा एवं कुंडली मिलान विशेषज्ञ, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.) 1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32 फोन 011-22325069, 9990402062 (व्हाट्सअप)

जैन गजट की पत्रिका का भव्य विमोचन

फागी संवाददाता

जयपुर शहर के प्रतापनगर नगर सेक्टर 8 में उपाध्याय श्री 108 उर्जयन्त सागर जी महाराज, आर्यिकारत्न 105 श्री भरतेश्वरी मति माताजी के पावन सानिध्य में पंचकल्याणक महोत्सव में आज जन्म कल्याणक के अवसर पर जैन गजट संवाददाता राजाबाबू गोधा ने जैन समाज की 127 वर्ष सबसे पुरानी पत्रिका जैन गजट की प्रति उनके कर कमलों में सौंप कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया, कार्यक्रम में पंचकल्याणक महोत्सव के मंत्री बाबूलाल ईटुन्दा, कार्यक्रम संयोजक महेश सेठी, मनीष जैन टोरडी, कुशल मंच संचालनकर्ता जीतू गंगवाल, जयकुमार बिन्दायका दुर्गापुरा, ओम प्रकाश कटारिया सांगानेर, दीपक पहाड़िया सांगानेर, प्रेमचंद गोधा लदाना, संतोष जैन, राहुल जैन लदाना, कमलेश चोधरी फागी, त्रिलोक पीपलू सहित सभी पदाधिकारी साथ-साथ थे।

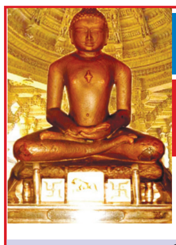

हार्दिक
शुभकामनाओं सहित
कपूरचंद जैन एंड सन्स
कॉमर्स हाउस, ए. टी. रोड, गुवाहाटी (आसाम)
फोन नं.- 0361-2514863 (का.) 2514796 (नि.) फैक्स: 0361-2632755 (मो.) 098641-18950, 09854050969
Email:Kcjain39@gmail.com Shinerealtors@rediffmail.com

हार्दिक शुभकामनाओं सहित
DHAN KUMAR KOTHARI
M : 09810667754
SANJAY JAIN KOTHARI
M : 09435040533
KUNAL KOTHARI
M : 09560569111
KARAN KOTHARI
M : 09864218652
AUTOMOBILE CARRIERS
GUWAHATI :
5A, Mahabir Market, Fancy Bazar, Guwahati-781001, Assam
Email : automobilecarriers1@gmail.com
GURGAON :
S.No.35, Opp. Maruti Gate No.2, Old Delhi Gurgaon Road
Gurgaon-15, Haryana Email : sanjayjain@automobilecarriers.co.in
Web : automobilecarriers.co.in
Authorised Carriers for :
MARUTI SUZUKI Mahindra Rise. HYUNDAI NEW THINKING. NEW POSSIBILITIES. Hero HONDA
YAMAHA BAJAJ SUZUKI HONDA

With Best Compliments from
ASHOKA FURNISHINGS
a complete furnishing store
Babu Bazar, Fancy Bazar
GUWAHATI- 781001
0361- 2514118, 2637326Fax : 0361- 2637325
Sanmati Plaza, G. S. Road. Guwahati-781005 2457801, 2457802

शादी की 34वीं वैवाहिक वर्षगांठ 04.02.2023 पर ढेर सारी
हार्दिक शुभकामनाएं
आप जियो हजारों साल, साल के दिन हों पचास हजार

श्री सुनील पहाड़िया-श्रीमती नीना पहाड़िया
(पूर्व अध्यक्ष दिगम्बर जैन मंदिर, थडी मार्केट, अग्रवाल फार्म मानसरोवर)
महामंत्री धर्म जागृति संस्थान राजस्थान प्रांत
"आपका दांपत्य जीवन सदा सुखी रहे"
शुभाकांक्षी
रोमिका-सारंग काला चंदलाई वाले, अर्पिता-अंकित पाटोदी (नावा वाले), सोनीपत (बेटी दामाद), सुजय, राजवी, सुयश और मौलिक (दोहिता- दोहिती) तथा समस्त पहाड़िया परिवार जयपुर (राजस्थान)
निवास: 111/423 अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) मो. 93149-95657, 93148-95657

विज्ञा वाणी

1 करोड़ बार पूजा करना ➪ 1 करोड़ बार स्तोत्र पढ़ना ➪ 1 करोड़ बार जाप ➪ 1 करोड़ उपवास ➪ 1 करोड़ प्रकार का दान ष् 1 करोड़ बार क्षमा करना, इन सबको मिलाकर जितना फल मिलता है, उतना फल मात्र जौ के बराबर मूर्ति एवं कुंदरू पत्ते के बराबर मंदिर बनाने में मिलता है।

सहस्रकूट विज्ञातीर्थ का चल रहा भव्य निर्माण
जयपुर-कोटा हाइवे, निवाई-चाकसू के बीच, गुन्सी, जिला-टोंक (राज.)

: नमनकर्ता :
सुमेरचंद-ऊषा
(रांवका)
बनीपार्क, जयपुर
(राज.)
सहयोग हेतु इस नंबर पर संपर्क करें - 9784727100

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट के पक्ष में' पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ- 226004 (उ. प्र.) सेविंग अकाउण्ट 2405000100102500 IFSC - PUNB 0185600 नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित) मनीऑर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाईन (स्क्रीन शॉट सहित) सदस्यता/विज्ञापन हेतु भेजें- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.) मो. 7607921391, 9415108233, 7880978415, 7505102419

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

प्रधान सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,
ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक प्रकाशक एवं मुद्रक
सुभाषचन्द्र गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर
कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता

वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन

देने हेतु सम्पर्क- 7607921391, 7880978415, 9415108233
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें

अहिंसा का महान् सिद्धान्त

अहिंसा का महान सिद्धांत जो आज विश्व शांति का सर्वोत्तम साधन समझा जाने लगा है, जैन धर्म के उन्नायकों के द्वारा ही सर्वप्रथम विश्व के सामने प्रस्तुत किया गया है। जैन धर्म की यह महान् देन है, जो उसने विश्व को प्रदान की। अहिंसा के कल्याणकारी सिद्धान्त के प्रचारक और प्रसारक के रूप में जैन धर्म का यश गौरव सदा अक्षुण्ण रहेगा। अहिंसा वह निर्मल मन्दाकिनी है, जिसकी पवित्र और शीतल धारा पाप के ताप को नष्ट कर देती है। अहिंसा वह अमृत की कनी है जो भीषण भव-रोग को निर्मूल कर देती है। अहिंसा वह मेघ-धारा है, जो दुःख-दावानल को शांत करती है, अहिंसा वह जगजननी जगदम्बा है जो जगत के जीवों की रक्षा करती है। अहिंसा वह भगवती है, जिसकी आराधना से जगत के जन्तु निर्भय और सुखी हो सकते हैं। जैन धर्म में आत्म स्वरूप की प्राप्ति का सबसे प्रधान अहिंसा की आराधना माना गया है। जो प्राणी जितने अंश में अहिंसा की आराधना करता है उतने ही अंश में शुद्ध आत्म स्वरूप को प्राप्त करता है। वीतराग आत्मा अहिंसा की उच्चतम कोटि पर पहुंचते हैं, इसलिए वे शुद्ध आत्म स्वरूप से अवस्थित रहते हैं। व्यक्ति के जीवन में अहिंसा जितनी गहरी उतरी हुई होती है वह उतना ही आत्मिक दृष्टि से विकसित होता है। जो व्यक्ति जितनी हिंसा करता है या हिंसक भावना रखता है वह आत्मिक दृष्टि से उतना ही होना होता है।

संसार के सब प्राणी जीवन के अभिलाषी हैं। सबको जीवन प्यारा है। कोई मरना नहीं चाहता, सब मृत्यु से डरते हैं। सब सुखी रहना चाहते हैं। कोई दुःख नहीं चाहता। मरने से दुःख होता है इसलिए कोई मरना नहीं चाहता। प्रत्येक प्राणी अपने जीवन को सबसे अधिक अनमोल मानता है। सब प्राणियों को जीने का समान अधिकार है, यह जानकर किसी भी प्राणी की हिंसा नहीं करनी चाहिए। उसके प्राणों का हरण नहीं करना चाहिए, इतना ही नहीं, उसे किसी तरह का शारीरिक या मानसिक कष्ट नहीं पहुंचाना चाहिए। यह अहिंसा की हिंसा-निवृत्ति रूप व्याख्या है। संसार के समस्त जीवों के प्रति मैत्री भाव रखना, सब जीवों को आत्म तुल्य समझना और विश्व बन्धुत्व की भावना का विकास करना विधि रूप अहिंसा है। अहिंसा क्या है, इस प्रश्न को जैनाचार्यों ने बड़ी सूक्ष्म और सरल विधि से समझाया है। हिंसा का सर्वांगपूर्ण लक्षण अमृतचन्द्राचार्य के इस कथन में निहित है - कषाय के वशीभूत होकर द्रव्य रूप या भाव रूप प्राणों का घात करना हिंसा है। यह लक्षण समन्तभद्राचार्य द्वारा प्रणीत अहिंसाणुव्रत के लक्षण जैसा ही परिपूर्ण है। सर्वार्थसिद्धि एवं तत्वार्थ-राजवार्तिक में इसी का समर्थन किया गया है। अहिंसा और हिंसा का जैसा वर्णन 'पुरुषार्थ सिद्ध्युपाय' में है वैसा पूर्व या उत्तर के ग्रन्थों में नहीं मिलता है।

उपरोक्त हिंसा के लक्षण में मानवी दुष्प्रवृत्ति पर अधिक जोर दिया गया है। क्योंकि अन्तस् की कलुषता ही हिंसा को जन्म देती है। इसी बात को आचार्य उमास्वामी ने इस कथन से स्पष्ट किया है - ''प्रमत्तयोगात्प्राणं - व्यपरोपणं हिंसा'' - प्रमत्त प्राणों के घात करने को हिंसा कहते हैं। प्रमत्त शब्द मन की कलुषता, अज्ञानता, असावधानी के अर्थ में ही प्रयुक्त हुआ है। गृहस्थ जीवन में मनुष्य नाना क्रियाओं का प्रतिपादन करता है, किन्तु सभी क्रियाएं सावधानी और संयम पूर्वक नहीं होती। अनेक कार्यों को करते हुए मन में कषाय भाव, कटुता उत्पन्न हो जाती है। इससे आत्मा की निर्मलता धुंधली पड़ जाती है। भावनाओं में विकार उत्पन्न हो जाते हैं। इन्हीं दुष्परिणामों से युक्त हो कोई कार्य करना हिंसा है क्योंकि दुष्परिणामी व्यक्ति के द्वारा भले दूसरे प्राणियों का घात न हो लेकिन उनकी आत्मा का घात स्वयं में हो जाता है। इसी अर्थ में वह हिंसक है क्योंकि किसी दूसरे से किसी दूसरे का प्राण-घात सम्भव ही नहीं है। पाश्चात्य देशों में मनुष्य का जीवन आज विभिन्न कुंठाओं से ग्रस्त है और लोगों के मनों में असुरक्षा की भावना व्याप्त है। वे भौतिकता की चरम सीमा पर पहुंच कर अब उससे ऊब गये हैं। इससे विश्व में एक भयानक विस्फोटक स्थिति पैदा होती जा रही है। ऐसी दशा में केवल अहिंसा और अनेकान्त के मार्ग पर चल कर ही परम शांति प्राप्त की जा सकती है। अहिंसा के मार्ग पर चलने वालों को चाहिए कि वे अहिंसा के सिद्धान्तों को सही ढंग से लागू करें। अहिंसा को यदि कहीं असफलता मिलती दिखाई देती है तो उसका कारण यह नहीं है कि अहिंसा के सिद्धान्तों में कोई दोष है। अहिंसा की असफलता अहिंसा का उपयोग करने वाले की अयोग्यता के कारण होती है।

अतः लोक कल्याण के लिए एक बात मूलभूत रूप से आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति धर्माचरण करें और अहिंसा का पालन करें। भागवत के ग्यारहवें अध्याय में कहा गया है कि -

''दृष्टिपूतं न्यसेत् पाद वस्त्रपूतां पिवेज्जलम।
सत्यपूता वदेद् वाचं मनः पूतं स्माचरेत।।''

अर्थात् प्रत्येक व्यक्ति को चाहिए कि वह नेत्रों से धरती देखकर पैर रखे, कपड़े से छानकर जल पिये, मुंह से प्रत्येक बात सत्यपूत अर्थात् सत्य से पवित्र हुई निकाले और शरीर से जितने भी काम करें, बुद्धि पूर्वक सोच-समझ कर ही करें। ऐसा करने से कभी किसी प्राणी का अहित नहीं होगा। लोक कल्याण का यही एक मात्र सही मार्ग है।

- कपूरचन्द जैन पाटनी, प्रधान सम्पादक

गतिविधियां: महासभा द्वारा प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार की

प्राचीन जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर

शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर तेलसंग, ता- अथाणी जिला-बेलगाम (कर्नाटक)

बीजापुर से अथानी सड़क पर तेलसंग गांव में मस्जिद की खुदाई में मिली अद्वितीय मूर्ति 11वीं शताब्दी की है। तेलसंग गांव में मात्र एक परिवार जैन समाज का है। यह मूर्ति एक शेड में रखी हुयी थी। तीर्थ संरक्षिणी महासभा के सहयोग से इस मूर्ति को विनय पूर्वक विराजमान किये जाने का कार्य प्रगति पर है।

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन

मंदिर भंकुर ता- शाहाबाद जिला-गुलबर्गा (कर्नाटक)

भंकुर का जैन मंदिर 12वीं शताब्दी का कल्याणी चालुक्य कालीन मंदिर है। इसके स्थापत्य से इसके प्राचीन और चालुक्याकालीन होने का प्रमाण मिलता है। मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है। यहां पर भगवान आदिनाथ की नई वेदी बनाकर भगवान को विनय पूर्वक विराजमान किया गया है।

विद्वानों, लेखकों व सुधी पाठकों से अपील

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा प्रतिमाह प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका पुरातत्वीय महत्वता के लेख, प्राचीन मंदिरों व मूर्तियों की जानकारी के साथ प्रकाशित की जाती है। हमारा सभी विद्वानों, लेखकों व सुधी पाठकों से निवेदन है कि इस पत्रिका में प्रकाशनार्थ पुरातत्वीय महत्वता के सचित्र लेख, पत्रिका के संदर्भ में आप अपने मूल्यवान सुझाव एवं विचार भिजवाने की कृपा करें जिससे कि पत्रिका के माध्यम से जैन समाज की प्राचीन धरोहर की जानकारी सभी को प्राप्त हो सके। लेख फोटो के साथ कार्यालय के व्हाटसएप नं- 9129065900 तथा Email- tsmahasabha@gmail.com पर भेजकर सूचित करने की कृपा करें।

राजकुमार सेठी, महामंत्री (तीर्थ)

प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार पत्रिका की सदस्यता ग्रहण करने हेतु निवेदन

तीर्थ संरक्षिणी महासभा की प्रमुख मासिक पत्रिका ''प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार'' नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है। इस पत्रिका में पुरातत्वीय महत्वता के लेख, प्राचीन मंदिरों एवं मूर्तियों की जानकारी, दातारों द्वारा जो राशि भेजी जाती है उनके नाम के विवरण के साथ प्रकाशन होता है जो एक शोध पत्रिका के रूप में उभर कर सामने आयी है। पत्रिका का आजीवन सदस्यता शुल्क 2,500/- त्रिवार्षिक 800/- एवं वार्षिक शुल्क 300/- रुपये है। समाज से निवेदन है कि पत्रिका की अधिक से अधिक सदस्यता ग्रहण कर धर्म लाभ लेवें।

प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में सहयोग की अपील

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा की स्थापना वर्ष 1998 में हुई थी, इन विगत 24 वर्षों से लगातार महासभा प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य एवं मूर्तियों की सुरक्षा के कार्य में संलग्न है। इस दौरान करीब 675 मंदिरों को अनुदान स्वरूप धनराशि भेजकर जीर्णोद्धार का कार्य पूरा किया गया है। पूरे भारतवर्ष में जैन धरोहर यत्र-तत्र बिखरी पड़ी है। विशेष तौर पर बंगाल, उड़ीसा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल ऐसे राज्य हैं जहाँ पर ऐसी स्थिति बड़े पैमाने पर है। हमें जैसे ही प्राचीन मंदिर एवं मूर्तियों की सूचना प्राप्त होती है हम गांव वालों से बातचीत करके उसी स्थान पर मंदिर बनाकर या प्राचीन मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य कर उसमें मूर्तियों को स्थापित कराने के लिये प्रयासरत रहते हैं ताकि हमारी प्राचीन संस्कृति की रक्षा हो सके। यह प्राचीन धरोहर हम सभी की बपौती है जिसकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है। तीर्थ संरक्षिणी महासभा कटिबद्ध है इन सभी स्थानों पर प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं मूर्तियों की सुरक्षा हेतु।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा द्वारा प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती 108 आचार्य श्री शांतिसागर जी महाराज के मुनिदीक्षा शताब्दी महोत्सव पर 125 मंदिरों के जीर्णोद्धार कराने का संकल्प लिया गया था जिसके अन्तर्गत 85 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य हो चुका है। 15 मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य प्रगति पर है अन्य मंदिरों का जीर्णोद्धार कार्य आप सभी के सहयोग से ही संभव है जिसके लिये हमें अधिक से अधिक धन राशि की आवश्यकता है। एक मंदिर जीर्णोद्धार कार्य में 3 लाख रुपये देने वाले दातार के परिवार के नाम का पत्थर का पाटिया मंदिर जी में लगवाया जाता है। हमारा समाज के दानवीरों से अनुरोध है कि सुविधानुसार इस जीर्णोद्धार कार्य में 5,000/, 11,000/, 25,000/, 51,000/, 1,00,000/- की राशि प्रदान कर आजीवन/ विशिष्ट/ सम्मानित/ परम सम्मानित/ संरक्षक-सदस्यता ग्रहण करें। जिससे हम अधिक से अधिक मंदिरों का जीर्णोद्धार कर प्राचीन धरोहर को सुरक्षित कर सकें। आप द्वारा प्रेषित राशि प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार कार्य में ही भेजी जायेगी। साथ ही यह भी निवेदन है कि आपके क्षेत्र के आस-पास कोई भी प्राचीन मंदिर हो जिसका जीर्णोद्धार आवश्यक हो तो कृपया हमें उस मंदिर का इतिहास, मंदिर एवं मूर्तियों के फोटोग्राफ के साथ भेजें ताकि उसका जीर्णोद्धार कराया जा सके।

आपके सहयोग से जो हमारी हजारों साल की विरासत देखरेख के अभाव में नष्ट हो रही है उसकी सुरक्षा होगी और वह प्राचीन धरोहर आप सभी के समक्ष निखर कर आयेगी। आओ हम सब मिलकर अपनी प्राचीन संस्कृति की रक्षा करें। जीर्णोद्धार कार्य हेतु राशि B-D-J-(TIRTH SANR) Mahasabha के नाम से State Bank of India Aish bagh Lucknow के एकाउन्ट नं-10130995311 एवं IFS CodeSBIN0002504 में आनलाइन जमा करवाकर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक - श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थ संरक्षिणी महासभा, समस्त पदाधिकारीगण,
सम्पर्क सूत्र- (0522) 2662581, मो- 09335920872, 09129065900

शेष पृष्ठ 1 का ....तीर्थराज सम्मेदशिखर हुआ प्रसन्नमयः प्रसन्न सागर से गुंजायमान हुआ पारसनाथ

पुरुषोतम रूपाला ने गुरुदेव को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। केंद्रीय मंत्री अपने पूरे परिवार के साथ अंतर्मना के दर्शनार्थ पहुँचे।

उसके बाद गुरुदेव ने विशाल धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि जब आत्मा मरती नहीं तो डर किस बात का, ग्रंथ में लिखी इस बात ने इतनी कठिन एवं अद्भुत साधना में मुझे बहुत संबल दिया, इतने विशाल पहाड़ पर कोई नहीं बस हम, हवा और हमारी परछाई थी। इस साधना के दौरान एक बात जाना कि धर्म ही अकेला है और कुछ नहीं। इस महान साधना व्रत का पिछले 7 वर्ष से अभ्यास कर रहा हूँ तब जाकर इसे करने लायक बना हूँ। यह साधना मैं नहीं कर रहा हूँ यह मेरे गुरु का आशीर्वाद है। उन्होंने कहा कि यह साधना मैंने अपने को निखारने के लिए की है। उन्होंने आर्ष परम्परा के सबसे वयोवृद्ध संत आचार्य सम्भव सागर जी महाराज के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की कि जिनका बखान करने से उनकी आँखों में करुणा के आंसू आ गए। इसे देख सभी भक्त भाव विभोर हो गए और जय गुरुदेव जय जय गुरुदेव से पूरा पंडाल गुंजायमान हो गया। केंद्रीय मंत्री पुरुषोतम रूपाला, योग गुरु स्वामी रामदेव भी अंतर्मना की शक्ति के कायल हो गए।

पूज्य गुरुदेव ने इस कठोरतम 557 दिन की महासाधना में मात्र 61 दिन ही आहार ग्रहण किया। पूज्य गुरुदेव ने 21 जुलाई 2021 से 27 जुलाई 2023 तक इस 557 दिन में कभी मुंह नहीं धोया, कभी वैयाव्रती तेल मालिश नहीं करवाई एवं मात्र 19 बार शौच एवं 42 बार लघु शंका गए जो एक इंसान के लिए असम्भव है। विज्ञान भी इस बात से अचम्भित है। उसके बाद अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज जो विगत् 557 दिन से मौनरत थे, ने दोपहर 2 बजकर 34 मिनिट पर णमोकार मंत्र के उच्चारण के साथ 557 दिन की मौन साधना को तोड़ा। उनके श्री मुख से शब्द निकलने के साथ सम्पूर्ण पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। सभी अपने आराध्य गुरु की दिव्य देशना 557 दिन बाद सुनकर प्रफुल्लित हो गए। अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर अपने संत जीवन के 35 वर्षों में देश के 30 प्रांतों में एक लाख किलोमीटर का पद विहार कर चुके हैं, साथ ही गुरुदेव ने 35 वर्षों के दीक्षा काल में 3500 से ज्यादा उपवास की साधना की है। आप अनेकों तरह के व्रत कर चुके हैं। आपको अनेकों उपाधियों से विभूषित किया गया है। महापारणा, महाप्रतिष्ठा एवं भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव में पहुंचे योग गुरु स्वामी बाबा रामदेव ने कहा कि संतों के आशीर्वाद से ही विश्व में भारत की कीर्ति फैल रही है और भारत विश्व गुरु बनने के मार्ग पर है तो इसका सबसे बड़ा श्रेय संतों का आशीर्वाद है, क्योंकि पूरे विश्व में भारत की बड़ी पहचान संतों के कारण ही है। जैन समाज के विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल सम्मेद शिखर मधुबन को निर्वाण भूमि कहा जाता है। इस तीर्थ से 20 तीर्थकरों का निर्वाण हुआ। इस निर्वाण भूमि में इस तरह का आयोजन होना भक्ति और आस्था में डूबने जैसा है। बाबा रामदेव ने अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज के कठिन तप और साधना की सराहना की और कहा कि जैन दर्शन अपनी वैज्ञानिकता से महान है। 20 तीर्थकरों की निर्वाण भूमि का बहुत बड़ा महत्व है। ऐलोपैथी के बिना कैसे जीते हैं यह इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

ढोंगा मैदान टीकमगढ़ में पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारी

टीकमगढ़। शहर की हृदय स्थली नंदीश्वर कॉलोनी में आदिनाथ धाम त्रिकाल चौबीसी का पंचकल्याणक महामहोत्सव 17 से 23 फ़रवरी तक आयोजित किया जाएगा। आयोजन शहर के ढोंगा मैदान में होगा। ढोंगा मैदान में 90 फिट चौड़ा एवं 500 फीट लंबा विशाल पंडाल तैयार हो रहा है। पंडाल में एक साथ 25 हजार लोग बैठ सकते हैं। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि निर्यापक मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज की 10 फरवरी को आगवानी होगी। प्रदीप जैन बम्होरी ने बताया कि इस समय मुनिश्री सुधा सागर जी के ससंघ सान्निध्य में ललितपुर में पंचकल्याणक महामहोत्सव का आयोजन 5 फरवरी तक हो रहा है। 7 फरवरी को मुनि संघ का ललितपुर से विहार हो सकता है।

छठवीं पुण्य तिथि 07.02.2023 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल, देव शास्त्र, गुरू के प्रति समर्पित हमारे प्रेरणा स्त्रोत

स्व. श्री हंसराज जी जैन

स्वर्गवासः 07.02.2017 (मारूजी लाम्बा वाले)

श्रद्धासुमन अर्पित कर्ता

मुनिभक्त दानवीर स्व. श्री हंसराज जी जैन व स्व. श्रीमती चांददेवी जैन एवं स्व. श्री प्रकाशचन्द जी जैन मारूजी लाम्बा वालों के परिवारजन

श्रीमती गायत्री जैन-ध.प.स्व. श्री प्रकाश चन्द जी जैन, गोविन्द जैन-श्रीमती राज जैन (जर्मनी वाले), जगदीश जैन-श्रीमती रेखा रानी जैन, कमल जैन-श्रीमती सुनीता जैन (पुत्र-पुत्रवधु), जितेन्द्र जैन-श्रीमती नियती जैन, विकास जैन-श्रीमती प्रियंका जैन (जर्मनी वाले), अंकित जैन-श्रीमती याशिका जैन (पौत्र-पौत्रवधु) व विशाल जैन (पौत्र) अमन, प्राजंल एवं डेलिशा (ईशान व विवान जर्मनी वाले) (प्रपौत्र, प्रपौत्री)

-: प्रतिष्ठान:-

❍ एच. आर. पैलेसः गोविन्द विकास जैन (जर्मनी वाले), 48-49, चौड़ा रास्ता (नियर साईबाबा मंदिर), जयपुर (राज) ❍ हंसराज एण्ड कम्पनी (कमल जैन व अंकित जैन) 75, जौहरी बाजार, जयपुर ❍ जैनाज इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट कम्पनी, बैंकाक ❍ जे. वी. डायमंड, बीकेसी बिल्डिंग, मुंबई

आवासः 39, प्रताप नगर, स्कीम-3, ग्लास फैक्ट्री के पास, टोंक रोड, जयपुर (राज.) फोनः 0141-2702814

महामस्तकाभिषेक

फागी संवाददाता

फागी। श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन नया मन्दिर में शनि अमावस्या पर महाशांति धारा एवं मूलनायक जिन प्रतिमा मुनिसुव्रतनाथ भगवान के 108 स्वर्ण कलशों महामस्ताभिषेक हुए। इससे पूर्व संध्या पर मुनिसुव्रतनाथ युवा मण्डल के प्रयासों से श्री 1008 आदिनाथ भगवान के निर्वाण उत्सव के अवसर पर भक्तामर स्तोत्र का 48 दीपकों से पाठ किया गया। उक्त कार्यक्रम प्रसिद्ध गायक कलाकार श्री दुर्गेश नैनवां एण्ड पार्टी की विभिन्न लहरियों के बीच भक्ति संध्या का भव्य आयोजन किया गया। शनि अमावस के दिन श्रावक श्रेष्ठी श्री कैलाश चन्द जी, सुविधी कुमार जी, प्रवीण कुमार जी समस्त कड़िला जैन परिवार द्वारा स्वर्ण कलशों से 108 बार श्री जी पर अभिषेक किया गया तथा श्रावक श्रेष्ठी रामस्वरूप, शिखरचन्द, राजेन्द्र कुमार, सिद्ध कुमार पवन कुमार, जितेन्द्र कुमार, आशा, टीना, काव्या, ऐरा मोदी जैन परिवार द्वारा बोली के माध्यम से महाशान्तिधारा कर सुख समृद्धि की कामना की गई।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जिनागम के अंकुश जैन अध्यक्ष एवं निखिल बज सचिव बने

रविन्द्र काला, संवाददाता

नीमच/बूंदी, 30 जनवरी। श्री दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जिनागम नीमच के सत्र 2023 के हुए चुनाव में अंकुश जैन गोधा को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। चुनाव अधिकारी मुकेश विनायका ने बताया कि अध्यक्ष पद हेतु एक ही नामांकन आने से अंकुश जैन गोधा को अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। कार्यक्रम में निवृत्त कोषाध्यक्ष अमित गदिया एवं सचिव आशीष विनायका ने वर्ष 2022 के आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया एवं निवृत्त अध्यक्ष प्रदीप बज ने वर्ष भर की गतिविधियों की जानकारी दी एवं सभी दम्पत्ति सदस्यों का आभार व्यक्त किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंकुश जैन गोधा ने अपनी कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए निखिल बज को सचिव, विकास सरावगी को कोषाध्यक्ष, हितेश कासलीवाल को उपाध्यक्ष, अनिल बज को सहसचिव नियुक्त किया। इसी प्रकार सलाहकार समिति में अजय कासलीवाल, बसंत विनायका, विनीत पाटनी, विशाल विनायका तथा कार्यकारिणी में सचिन अग्रवाल, शैलेन्द्र सेठी, आशीष विनायका, दिलीप विनायका, सिद्धार्थ अजमेरा, अभिषेक काला, विवेक चौधरी, मुनि सेवा समिति में अजीत विनायका, दीपक पाटनी, वैभव जैन, आशीष बाकलीवाल, मयंक कासलीवाल, रजत गोधा, स्वागत समिति में सुमित गोयल, अंकित बाकलीवाल, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति में राजुल अजमेरा, अरुणा विनायका, नेहा गोधा, श्वेता सोनी, ईना अजमेरा, सुजाता बज, निकिता गोधा को लिया गया।

मंडल विधान

संजय कुमार जैन

अजमेर, 16 जनवरी। श्री अदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर सोनीनगर मन्दिर समिति, अजमेर व सोनीनगर महिला मंडल के तत्वावधान में सोनीनगर जैन मन्दिर में नववर्ष की शुभ बेला पर 24 दिवसीय 24 तीर्थंकर भगवान के चतुर्विंशति महामंडल विधान के 16वें दिन श्री शान्तिनाथ भगवान का विधान का आयोजन डॉ. राजकुमार गोधा के निर्देशन में हुआ।

आर्यिका अमृतमती जी का समाधिमरण

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

नैनवां जिला-बूंदी, 27 जनवरी। आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज से सन् 2015 में किशनगढ़ में दीक्षित श्री अमृतमति माताजी ने कमजोर स्वास्थ्य के कारण चारों प्रकार के आहार जल का 5 दिन पूर्व त्याग किया था, उनकी ईडर में उत्कृष्ट समाधि हुई, इस खबर को सुनते ही अपार भक्तों का तांता लगा।

भावभीनी श्रद्धांजलि

8 फरवरी 2023 को (समाधिमरण के साथ स्वर्गवास हुये) चार वर्ष पूर्ण होने पर

स्वर्गीय विमला देवी जी जैन बोहरा

(ध.प. वयोवद्ध विद्वान बसन्त कुमार जी शास्त्री शिवाड़ वाले) को भावभीनी कोटि-कोटि श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत्

पुत्र एवं पुत्रवधुयें

चेतन-इन्दिरा, प्रताप नगर सेक्टर-5 जयपुर, निरंजन-रेणु, अरिहन्त टेक्सटाइल्स बम्बई, अजय-किरण, मन्दसौर, विजय-शुचिता, प्रतापनगर सेक्टर 5 जयपुर
राजेश-रितु, आशियाना आंगन भिवाड़ी, प्रिया-रविन्द्र कुमार जैन, पद्मपुरा जयपुर
शिक्षा-वैभव जैन, किशनगढ़ अजमेर, अभिषेक-रिद्धि, अलय-चारमी, रूचि-आकाश, दुर्गापुरा जयपुर,
संजय-संगीता, अंकित-नेहा, शांतिवीर नगर, शुभम, अमन, आस्था, धैर्य, आदि, अहन, आगम

एवं समस्त बोहरा परिवार शिवाड़ वाले

50/358, प्रताप नगर सेक्टर-5, सांगानेर जयपुर (राज.)
एल 5/917 आशियाना आंगन, भिवाड़ी (राज.) मो. नं. 8107581334

दुर्गापुरा से दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की आदीश्वर धाम की यात्रा हुई हर्षोल्लास से सम्पन्न

अंतर्राष्ट्रीय होम्योपैथिक डॉक्टर मणी दिगंबर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर के पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

राजा बाबू गोधा, फागी संवाददाता

दुर्गापुरा से दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की आदीश्वर धाम एक दिवसीय यात्रा बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय होम्योपैथिक डॉक्टर मणी जैन ने अवगत् कराया कि सबसे पहले सभी सदस्यों ने दुर्गापुरा जैन मंदिरजी में एकत्रित होकर दर्शन किये व जलपान कर बस से चाकसू आदीश्वर धाम पहुंचे, कार्यक्रम में सबसे पहले मंदिर जी के दर्शन करने के बाद 48 दीपकों से भक्तामर का भक्तिभाव से दीपदान किया, फिर स्वल्पाहार करने के बाद प्रोग्राम शुरू हुआ जिसमें मंगलाचरण श्रीमती कल्पना, सुशीला, शशिप्रभा व डॉ. शान्ति जैन ''मणि''ने किया, इसके बाद ग्रुप के अध्यक्ष का चुनाव हुआ, जिसमें डॉ. एम. एल. जैन 'मणि'

को उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए वर्ष 2023 के लिए पुनः सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया, इसके बाद डा. मणि ने सचिव पद पर श्री विजय कासलीवाल को तथा कोषाध्यक्ष पद पर श्री पारस जी लुहाड़िया का मनोनयन किया, कार्यक्रम के अन्त में सर्वसम्मति से ग्रुप की फीस बढ़ाने के अध्यक्ष के प्रस्ताव को पास कर दिया गया।

प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सुभाष जी मोदी सीकर निवासी का स्वर्गवास

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

प्रसिद्ध समाजसेवी, देव शास्त्र गुरु के परम भक्त श्री सुभाष चंद जी मोदी पुत्र स्वर्गीय श्री हरकचंद जी मोदी सीकर निवासी का 16.1.2023 को अचानक देहावसान हो जाने से सारे समाज में एवं शहर में शोक की लहर दौड़ गई। श्री सुभाष जी मोदी मिलनसार होने के साथ ही हंसमुख प्रतिभा के धनी थे तथा धर्मचर्या में अग्रणी रहते थे, आपका जन्म श्रीमती विमला देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री हरकचंद जी मोदी सीकर निवासी के यहां हुआ था। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती शांता देवी जैन तथा पुत्री भक्ति जैन भी धर्म चर्या में अग्रणी रहती हैं। आप सोहनलाल, राजकुमार, सुरेश कुमार, सुमितप्रकाश, राजकुमार, धर्मचंद, आनंद, विनोद, पारस, अमित, राकेश, जय, जीत सहित सारा भरा-पूरा परिवार छोड़कर चले गए, जिसका सभी को बहुत दुख है। आपकी तीए की बैठक पर 18.1.2023 को विभिन्न संस्थाओं तथा पदाधिकारियों के शोक संदेश आये जिसमें सभी ने दिवंगत आत्मा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए मोक्ष एवं शांति की कामना की है। आपके निवास पर 27 जनवरी 2023 रात्रि को णमोकार महामंत्र के पाठ रखे गए तथा 28 जनवरी 2023 को श्री दंग की नसिया मंदिर जी में शांतिनाथ महामंडल विधान की पूजा की गई तथा 28 जनवरी 2023 को ही आपके निवास पार्श्वनाथ मार्ग से प्रातः 10:00 बजे श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में दर्शन हेतु प्रस्थान किया गया। मोदी परिवार ने आपकी याद में जैन गजट को रूपये 1100/- की सहयोग राशि प्रदान की है, जैन गजट परिवार दिवंगत आत्मा की मोक्ष एवं शान्ति की कामना करता है।

चित्रलेखा जैन नैनवां सम्मानित

महावीर कुमार सरावगी, संवाददाता

नैनवां जिला-बूंदी, 30 जनवरी। यहां जिला स्तरीय 74 वें गणतंत्र दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें विशिष्ट कार्य करने वाले राज्य कर्मचारियों एवं समाजसेवियों को सम्मानित किया गया। इस समारोह में नैनवां उपखंड कार्यालय में पद पर स्थापित श्रीमती चित्रलेखा जैन (ढोला) गोदा प्रशासनिक अधिकारी को उत्कृष्ट कार्य समय पर संपादित करने के लिए मुख्य अतिथि अशोक चांदना राज्य मंत्री राजस्थान सरकार जिला कलेक्टर जिला प्रमुख ने प्रशासनिक पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

आचार्य श्री सुनील सागर जी को चढ़ाया श्रीफल

उदयभान जैन

जयपुर। परम पूज्य आचार्य श्री सुनील सागर जी महाराज, शशांक सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य सांगानेर में आयोजित धर्म सभा में श्रीमान् गजेंद्र जी, अजय जी दिल्ली, प्रवीण जी, विकास जी वैशाली नगर के निर्देशन में जैन समाज कामा के प्रधान सुभाष जैन, मंत्री विजय जैन कामा, उत्तम चंद बड़जात्या प्रधान शांतिनाथ जैन मंदिर कामा, श्रीमती इंदिरा बड़जात्या, प्रदीप बड़जात्या कामा, नीरज जैन एडवोकेट कामा के नेतृत्व में संपूर्ण जैन समाज कामा की ओर से आचार्य श्री ससंघ को परम पूज्य प्रथम गणिनी श्री विजय मति माताजी की जन्म भूमि कामा धर्म नगरी में प्रवास हेतु श्रीफल चढ़ाया और आशीर्वाद प्राप्त किया।इस अवसर पर कामा समाज के गणमान्य महिला एवं पुरुष उपस्थित थे, साथ में अशोक बड़जात्या झोटवाड़ा, पारस जैन पालड़ी मीना, निर्मल जैन बड़जात्या अग्रवाल फार्म एवं युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या जयपुर भी सपरिवार उपस्थित थे। तत्पश्चात आचार्य श्री ने निवाई की ओर विहार किया।

बधाई

नैनवां (बूंदी), 20 जनवरी। अग्रवाल समाज नैनवां के अध्यक्ष श्री शैलेंद्र कुमार जैन मारवाड़ा को अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन का कार्यकारी अध्यक्ष बनाने पर संपूर्ण समाज ने बधाई दी गई।

– महावीर सरावगी, संवाददाता

दबाना ही है तो अपनी कषायों को दबाओ।

गुवाहाटी : धूमधाम से मना गणतंत्र दिवस

सुनिल कुमार सेठी, संवाददाता

गुवाहाटी। श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन स्थानीय एमएस रोड स्थित भगवान महावीर धर्मस्थल में श्री दिगंबर जैन यूथ फेडरेशन द्वारा आयोजित इस समारोह में पंचायत के मंत्री वीरेंद्र कुमार सरावगी, उपाध्यक्ष ओमप्रकाश सेठी, संयुक्त मंत्री जयकुमार छाबड़ा, महावीर भवन के महामंत्री विजय कुमार गंगवाल, अशोक कुमार छाबड़ा, यूथ फेडरेशन के अध्यक्ष सौरभ अजमेरा, जितेंद्र गंगवाल आदि लोगों ने झंडोत्तोलन किया। इस अवसर पर समाज के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के पश्चात् सभी लोगों के बीच मिठाई व फल वितरण किया गया। कामरूप चेंबर ऑफकॉमर्स के कार्यालय के पास सलाहकार रामपाल सिकरिया, संयुक्त मंत्री भूषण जैन, कार्यकारिणी सदस्य पुखराज पांड्या, किशोर काला, सत्यनारायण जोशी, सुदर्शन गाड़ोदिया, रामानंद महावार, विमल बिहानी, प्रश्न अग्रवाल आदि की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर चेंबर की ओर से जिलाधिकारी के सहयोग से' ऑर्फन होम (फटाशील), सेंट्रल जेल (गौर चुक), डिफेंडम स्कूल (काहिलीपाड़ा), ब्लाइंड स्कूल (वशिष्ठ) बी बरुवा कैंसर इंस्टीट्यूट' इत्यादि में मिठाई व फल का वितरण किया गया। कुमार पारा स्टेट एलबी कौन रेसीडेंसी में भी गणतंत्र दिवस का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया।

शब्द समस्या पैदा करते हैं मौन सभी समस्याओं का हल

अभिषेक जैन 'बिट्टू'

- आचार्य सुनील सागर

जयपुर। रविवार 29 जनवरी को वरुण पथ दिगम्बर जैन मंदिर मानसरोवर पर आयोजित त्रिदिवसीय धर्म प्रभावना महोत्सव तीसरे दिन आचार्य सुनील सागर महाराज के मंगल प्रवचन के साथ संपन्न हुआ। धर्मसभा में सांगानेर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे पुष्पेंद्र भारद्वाज, अश्वनी कुमार, डॉ. सुनील जैन, डॉ. त्रिशला जैन, भारतभूषण अजमेरा सहित विभिन्न गणमान्य लोगों ने शामिल होकर ना केवल आचार्य श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया बल्कि धर्म सभा में शामिल होकर मंगल प्रवचन सुनने का भी अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान समिति अध्यक्ष एमपी जैन, मंत्री जे. के जैन, कोषाध्यक्ष कैलाश सेठी, संगठन मंत्री हेमेंद्र सेठी, कार्यकारिणी सदस्य राजेन्द्र सोनी, अनिल दीवान आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत, सम्मान किया। आचार्य सुनील सागर महाराज ने कहा कि जो हम कहते हैं, वह जीवन में घटित होना चाहिए। कम बोलना, सोच-विचार कर बोलना, मौन रहना एक परीक्षा है। जो जैसा करेगा वह वैसा भरेगा। मौन रहने से अनेकों-अनेक समस्याओं का समाधान है, एक मात्र शब्द है जो समस्याओं की जड़ है क्योंकि जीवन में शब्दों का बहुत महत्व है, कुछ मधुर मीठे वचन बोलकर परिवार और समाज में वात्सल्य लाते हैं और कुछ कठोर वचन बोलकर इसी परिवार और समाज में झगड़े करवाते हैं। इसलिए प्रत्येक प्राणी को मधुर वचनों को धारण कर अपनी मधुर वाणी से प्रत्येक प्राणी से वात्सल्य बनाना चाहिए।

गणाचार्य गुरुवर के कर कमलों में समर्पित

यति सम्मेलन,
युग प्रथमाचार्य

- चरणानुरागी गणिनी
आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

विरागोदय तीर्थ प्रणेता गुरूवर,
यति सम्मेलन के नायक हैं।
आ जाओ सब शरण गुरू की,
वो ही सबके तारक हैं।।
प्राचीन परम्परा विस्मृत थी जो,
गुरूवर ने फिर से दोहराया।।
श्रमण संस्कृति औ जैन समाज में,
एकता का झण्डा फहराया।।
जयपुर से प्रारम्भ किया था,
फिर झांसी में था सम्मेलन।
विरागोदय तीर्थ पथरिया में,
तृतीय हुआ यति सम्मेलन।।
पंचमकाल का चमत्कार यह,
भारत की इस धरती पर।
गुरूवर का उपकार बड़ा है,
हम सब शिष्यों के ऊपर।।
''यति सम्मेलन युगप्रथमाचार्य'',
गुरूवर वात्सल्यधारी हैं।
कमल पुष्प सी महक रही,
यह विराग की फुलवारी है।।
अनवरत् चले यह परम्परा,
बस यही भावना भाती हूँ।
विराग गुरू के द्वय चरणों में,
अपना शीश झुकाती हूँ।।

वर्णीजी के जीवन पर आधारित डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण

पी. सी. जैन, सागर

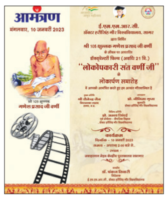

सागर, 10 जनवरी, 2023। सागर विश्वविद्यालय के ई. एम. आर. सी. विभाग द्वारा श्री गणेश प्रसाद वर्णी पर बनाई डाक्यूमेंट्री का लोकार्पण श्री जवाहरलाल नेहरू पुस्तकालय के सभा कक्ष में आयोजित भव्य समारोह में किया गया। समारोह की अध्यक्षता कुलपति प्रो. नीलम गुप्ता ने की। उन्होंने वर्णीजी को बुंदेलखण्ड का महानायक बताते हुए मुख्य अतिथि श्री शैलेन्द्र जैन विधायक, सागर की भावना-विश्वविद्यालय में 'वर्णी पीठ' की स्थापना को सैद्धान्तिक सहमति दी। ई. एम. आर. सी. विभाग के निर्देशक पंकज तिवारी ने फिल्म के निर्माण एवं विशिष्ट अतिथि प्रो. अभय सिंघई ने वर्णीजी के कार्यों पर प्रकाश डाला। श्री गणेश प्रसाद वर्णी, समाज सुधारक, तीर्थो के जीर्णोद्धार का बिगुल बजाने वाले, अनेक ज्ञान प्रसारक संस्थाओं- व्यवहारिक एवं धार्मिक को प्रारम्भ कराने वाले, समाज के हर वर्ग के उत्थान को सोचने एवं क्रियान्वित करने वाले बहु आयामी प्रतिभा के धनी संत रहे हैं। उनके कार्य से उपजी श्रद्धा से उनके नाम के साथ प्रातः स्मरणीय जुड़ गया। आजादी के लड़ाकों की फौज 'आजाद हिन्द फौज' को अपनी 'चादर' दे दी तभी तो भारत सरकार ने आजादी के अमृत महोत्सव में उनके सम्मान में 'पार्सल कवर' जारी किया। डाक विभाग का यह मुख्य समारोह राजभवन, भोपाल में मध्य प्रदेश के राज्यपाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अमृत महोत्सव में सरकार से सम्मानित अनोखे जैन संत हैं।

अभिषेक पूजन

सनावद। भगवान आदिनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक माघ कृष्ण चतुर्दशी को मनाया गया। समाज के डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि सुपार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अभिषेक शांतिधारा के बाद गजेंद्र बाकलीवाल सहित श्रद्धालुओं ने भगवान आदिनाथ की विशेष पूजन की तथा निर्वाण लाडू चढ़ाया। आदिनाथ जिनालय में प्रातः 7:30 श्री जी के अभिषेक शांतिधारा सामूहिक पूजन के बाद निर्वाण कांड के सामूहिक वाचन के साथ मोक्ष गमन का प्रतीक निर्वाण लाडू चढ़ाया गया।

ऑनलाइन परिचर्चा आयोजित

लखनऊ। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर श्री आदिनाथ मेमोरियल ट्रस्ट लखनऊ एवं प्रेम शांति साहित्य संस्कृति संस्थान दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में एक ऑनलाइन परिचर्चा आयोजित कर भारतवर्ष के नामकरण एवं राजनैतिक आदर्शों की चर्चा करी गई, जिसकी अध्यक्षता प्रोफेसर भागचंद भास्कर ने की। श्रमणी श्री संगीत प्रज्ञा जी के सानिध्य में विद्वान वक्ताओं प्रो. रमेश सिंह, डा. पवन गौड एवं प्रशांत जैन ने भारत के नामकरण एवं गणतंत्र, प्रजातंत्र और राजनैतिक आदर्शों के ऊपर अपने वक्तव्य दिए। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. प्रभा किरण जी ने संचालन किया और आभार शैलेंद्र जैन ने व्यक्त किया।

विदेशों से आयातित/मकराना के मार्बल पत्थर की जैन मंदिर वेदियाँ, मान स्तम्भ, स्तम्भ/खम्बें, मंडप, दीवार के भित्ती चित्र, मूर्तियाँ, जालियाँ, इनले व अन्य सामग्री के निर्माता व मार्बल इम्पोर्टर

हमारा पूरा कलेक्शन देखने/ब्रोशर डाउनलोड करने के लिए अपने मोबाइल से स्कैन करें.

Sambhav natural stones

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
सम्भव पापड़ीवाल जैन, निदेशक, मोबाइल : +919928155099, +919928966999

सम्भव नेचुरल स्टोन्स प्रा.लि.
G-25, 26, सीतापुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, टोंक रोड, जयपुर 302022 राजस्थान
ईमेल : sambhavstones@gmail.com ● ब्रांच : मकराना, राजस्थान

कार्य उपादान से होता है उसमें किसी की पराधीनता नहीं है।

तीर्थराज श्री सम्मेद शिखर जी की पुण्य धरा पर सिंहनिष्क्रीडित व्रत की महासाधना के महासाधक आचार्यश्री प्रसन्न सागर जी महाराज की महासाधना का महापारणा-28 जनवरी, 2023 एवं स्वर्णिम मंदिर की महाप्रतिष्ठा
शुभबेला-28 जनवरी से 3 फरवरी 2023 तक सम्पन्न
प्रतिमा स्थापना और पाद प्रक्षालन के पुण्यार्जक

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज शत् शत् वंदन

अनिल-सरिता टोंग्या, अंकित, प्रतीक, श्रद्धा, आरोही, अमायरा टोंग्या परिवार, डीमापुर/बैंगलोर (गुवाहाटी)

स्वत्वाधिकारी 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' के लिये प्रकाशक एवं मुद्रक सुभाषचन्द्र गुप्ता द्वारा द इण्डियन एक्सप्रेस प्रा. लि. सी 26, अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया लखनऊ उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं श्री नंदीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग लखनऊ-226004 उ. प्र. से प्रकाशित, **सम्पादक -सुधेश कुमार जैन**

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on
Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette
C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh,
Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 7880978415,
9415108233, 7505102419 Web site- jaingaztte.com
email- jaingazette2@gmail.com whatsapp 7607921391

To,
....
....
....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-,
दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-
(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।